



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 1, 1993/पौष 11, 1914

No. 2]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 1, 1993/PAUSA 11, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1993

का.आ. 2(अ).--केन्द्रीय सरकार, यह अधिनियमित करने की दृष्टि से यह आवश्यक समझती है कि किन आनुवंशिक और लघु औद्योगिक उपक्रमों को उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 11-ख में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए उक्त अधिनियम के अधीन प्रयुक्त उपायों, छूट और अन्य अनुकूल व्यवहार की आवश्यकता है।

और अधिसूचना का मसौदा उक्त अधिनियम की धारा 11-ख की उपधारा (3) के अधीन तथा अपेक्षित 30 दिन की अवधि के लिए संसद के प्रत्येक सदन में रखा गया था।

और संसद के दोनों सदनों द्वारा प्रस्तावित अधिसूचना में कोई संशोधन करने का सुझाव नहीं दिया गया है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11-ख की उपधारा (1) और धारा 29-ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए उन अधिसूचनाओं को और विनिर्दिष्ट करने के प्रयोजनों के लिए, जिनके किसी औद्योगिक उपक्रम द्वारा अनुपालन किए जाने पर उसे उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए आनुवंशिक या लघु औद्योगिक उपक्रम माना जाए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ 232(अ) तारीख 2 अप्रैल, 1991 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना में, सारणी के पैरा 2 में, विद्यमान टिप्पण को टिप्पण-1 के रूप में संबोधित किया जाएगा और इस प्रकार संबोधित टिप्पण-1 के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण और टिप्पण अन्तः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

स्पष्टीकरण : इस टिप्पण के प्रयोजनों के लिए--

(क) "स्वामित्व प्राप्त" का अर्थ वह होगा जो उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 3 के खंड (च) में विनिर्दिष्ट पद "स्वामी" की परिभाषा से व्युत्पन्न हो।

(ख) "समनुबंधी" का वही अर्थ होगा जो कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के साथ पठित धारा 7 खंड (47) में है।

(ग) "किसी औद्योगिक उपक्रम द्वारा नियंत्रित" पद का अर्थ निम्न-लिखित होगा अर्थात् -- श्रु

(1) जहाँ एक ही व्यक्ति द्वारा स्वत्वकारी के रूप में, दो या अधिक औद्योगिक उपक्रम स्थापित किए गए हैं वहाँ, ऐसे प्रत्येक औद्योगिक उपक्रम को अन्य औद्योगिक उपक्रम या उपक्रमों द्वारा नियंत्रित समझा जाएगा

(2) जहाँ, भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 1) के अधीन भागीदारी फर्म के रूप में दो या अधिक औद्योगिक उपक्रम स्थापित किए गए हैं, और ऐसी फर्म में एक या अधिक भागीदार सामान्य भागीदार हैं, वहाँ ऐसे प्रत्येक औद्योगिक उपक्रम को अन्य औद्योगिक उपक्रम या उपक्रमों द्वारा नियंत्रित समझा जाएगा,

(3) जहाँ, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 क 1) के अधीन कंपनियों द्वारा औद्योगिक उपक्रम स्थापित किए गए हैं, वहाँ कोई औद्योगिक उपक्रम, किसी अन्य औद्योगिक उपक्रम द्वारा नियंत्रित समझा जाएगा, यदि--

(क) यदि अन्य औद्योगिक उपक्रम द्वारा धारित साम्या इसके कुल साम्य के 24 प्रतिशत से अधिक हों; या

(ख) किसी उपक्रम का प्रबंध नियंत्रण, किसी अन्य औद्योगिक उपक्रम को इस प्रकार संकत किया जाता है कि पहले उल्लिखित उपक्रम का प्रबंध निदेशक अन्य उपक्रम का भी प्रबंध निदेशक या निदेशक है अथवा पहले उल्लिखित उपक्रम के बोर्ड पर निदेशकों की बहु संख्या (4) के (क) और (ख) के उपबंधों के संबंध में अन्य औद्योगिक उपक्रम में साम्या धारक हैं।

(4) उपखंड (3) के अनुसार किसी उपक्रम के साम्या में अन्य औद्योगिक उपक्रम या उपक्रमों द्वारा भाग लेने की सीमा निम्न प्रकार से तय की जाएगी :-

(क) अन्य औद्योगिक उपक्रम द्वारा साम्या में भाग लेने के अन्तर्गत विदेशी और देशी, दोनों साम्या सम्मिलित हैं,

(ख) अन्य औद्योगिक उपक्रम द्वारा साम्या में भाग लेने से अभिप्रेत हैं अन्य औद्योगिक उपक्रम या उपक्रमों द्वारा, चाहे वे लघु अथवा अन्यथा हों, किसी औद्योगिक उपक्रम में धारित कुल साम्या. इसमें उन व्यक्तियों के साम्या भी सम्मिलित होंगे, जो किसी अन्य औद्योगिक उपक्रम या उपक्रमों में निदेशक हैं;

(ग) किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा धारित साम्या जिसके नाम विशेष तकनीकी ग्रहता और अनुभव है और जिसे किसी लघु औद्योगिक उपक्रमों में निदेशक नियुक्त किया गया है, यदि संगम के अनुच्छेदों में यह उपबंधित है, तो ग्रहता शेरों की सीमा तक, अन्य औद्योगिक उपक्रम या उपक्रमों द्वारा धारित साम्या की संगणना में, नहीं लिए जाएंगे चाहे वह सम्बद्ध व्यक्ति किसी अन्य औद्योगिक उपक्रम या उपक्रमों में निदेशक हों।

(5) जहाँ कोई औद्योगिक उपक्रम उपखंड (I), उपखंड (II) या उपखंड (III) के संबंध में किसी अन्य औद्योगिक उपक्रम या उपक्रमों की समतुल्यता है या उसके/उनके द्वारा स्वामित्वप्राप्त अथवा नियंत्रित है, और यदि पहले उल्लिखित औद्योगिक उपक्रम तथा अन्य औद्योगिक उपक्रम या उपक्रमों के संयंत्र और मशीनरी में स्थिर

आस्तिधियों में कुल विनिधान, इकट्ठा किए जाने पर इस सारणी के पैरा 1 या पैरा 2 में विनिर्दिष्ट विनिधान से अधिक हो जाता है, तो इनमें से किसी भी औद्योगिक उपक्रम को लघु या आनुषंगिक औद्योगिक उपक्रम नहीं समझा जाएगा।

टिप्पण 2

(क) इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए, संयंत्र और मशीनरी के मूल्य की संगणना करने में, इस बात को विचार में लिए बिना कि संयंत्र और मशीनरी नए हैं या बरते हुए हैं, उनकी मूल कीमत को हिसाब में लिया जाएगा।

(ख) संयंत्र और मशीनरी के मूल्य की संगणना करते समय निम्न-लिखित को अपवर्जित किया जाएगा, अर्थात् --

(i) अनुरक्षण के लिए उपस्करों, जैसे औजारों, जिग, डाई, सांचे और अतिरिक्त भागों की लागत तथा खपने वाले सामान की लागत;

(ii) संयंत्र और मशीनरी की संस्थापन लागत;

(iii) अनुसंधान और विकास (अनु और वि) उपस्कर और प्रदूषण नियंत्रण उपस्करों की लागत

(iv) राज्य विद्युत् बोर्ड के विनियमों के अनुसार उपक्रम द्वारा संस्थापित उत्पादन सेटों, अतिरिक्त ट्रांसफार्मरों आदि की लागत;

(v) राष्ट्रीय लघु उद्योग नियम या राज्य लघु उद्योग नियम को संदर्भ बैंक प्रभार और सेवा प्रभार;

(vi) केबल, वायरिंग, वत बार, वैद्युत् नियंत्रण पैनल (उनसे भिन्न जो पृथक मशीनों पर मंडे हुए हैं), आयात सकिट ब्रेकर/मिनिचर सकिट ब्रेकर, आदि उपगत करने या संस्थापित करने में अंतर्भूत लागत जो संयंत्र और मशीनरी/सुरक्षा उपायों को विद्युत् शक्ति उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक रूप से प्रयोग की जाती है;

(vii) गैस उत्पादन संयंत्र की लागत

(viii) स्वदेशी मशीनरी के लिए विनिर्माण स्थान से कारखाना स्थल तक परिवहन प्रभार (कर अर्थात् विक्रय कर, उत्पाद शुल्क आदि को छोड़कर),

(ix) संयंत्र और मशीनरी के परिनिर्माण की तकनीकी जानकारी के लिए संवत् प्रभार,

(x) ऐसे भंडारण टैंकों की लागत जिनमें केवल कच्ची सामग्री तैयार उत्पाद का भंडार रहता है और जो विनिर्माण प्रक्रिया से जुड़े हुए नहीं हैं, और

(xi) अग्नि शमन उपस्करों की लागत।

(ग) आयातित मशीनरी की दशा में, मूल्य की संगणना करते समय निम्नलिखित को सम्मिलित किया जाएगा; अर्थात् --

(i) आयात शुल्क (प्रकीर्ण) व्यय, जैसे पतन से कारखाना स्थल तक परिवहन पतन पर संवत् डेमरेज व्यय को छोड़कर);

(ii) पोत परिवहन प्रभार;

(iii) सीमाशुल्क निकासी प्रभार,

(iv) विक्रय कर।

[सं 10(5)/91--एल पी]

एस. बहुरा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st January, 1993

S.O. 2(E).—Whereas the Central Government considers it necessary with a view to ascertaining which ancillary and small scale industrial undertakings need supportive measures, exemptions or other favourable treatment, under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 for the purposes specified in Section 11-B of the said Act:

And whereas the draft Notification was laid before each House of Parliament for a period of 30 days as required under Sub-Section (3) of Section 11-B of the said Act.

And whereas no modification in the proposed Notification has been suggested by both Houses of Parliament.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 11-B and Sub-section (1) of Section 29-B of the said Act, the Central Government for the purposes of further specifying the requirements which shall be complied with by the industrial undertakings to enable them to be regarded as an ancillary or a small scale industrial undertaking for the purposes of the said Act, makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 232(E) dated the 2nd April, 1991 namely:—

In the said notification, in the Table, in paragraph II the existing note shall be numbered as Note 1 thereof and after Note-1, as so numbered, the following Explanation and Note shall be inserted, namely :—

Explanation :For the purposes of this Note —

- (A) "owned" shall have the meaning as derived from the definition of the expression "owner" specified in clause (f) of Section 3 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951)
- (B) "Subsidiary" shall have the same meaning as in clause (47) of Section 2, read with Section 4, of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (C) the expression "controlled by any other industrial undertaking" means as under :—
 - (i) where two or more industrial undertakings are set up by the same person as a proprietor, each of such industrial undertakings shall be considered to be controlled by the other industrial undertaking or undertakings.
 - (ii) where two or more industrial undertakings are set up as partnership firms under the Indian Partnership Act, 1932 (1 of 1932) and one or more partners are

common partner or partners in such firms, each such undertaking shall be considered to be controlled by the other undertaking or undertakings;

- (iii) where industrial undertakings are set up by companies under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), an industrial undertaking shall be considered to be controlled by other industrial undertaking if,—
 - (a) the equity holding by other industrial undertaking in it exceeds 24% of its total equity; or
 - (b) the management control of an undertaking is passed on to the other industrial undertaking by way of the Managing Director of the first mentioned undertaking being also the Managing Director or Director in the other industrial undertaking or the majority of Directors on the Board of the first mentioned undertaking being the equity holders in the other industrial undertaking in terms of the provisions of (a) and (b) of sub-clause (iv);
- (iv) the extent of equity participation by other industrial undertaking or undertakings in the undertaking as per sub-clause (ii) above shall be worked out as follows :—
 - (a) the equity participation by other industrial undertaking shall include both foreign and domestic equity;
 - (b) equity participation by other industrial undertaking shall mean total equity held in an industrial undertaking by other industrial undertaking or undertakings, whether small scale or otherwise, put together as well as the equity held by persons who are Directors in any other industrial undertaking or undertakings;
 - (c) equity held by a person, having special technical qualification and experience, appointed as a Director in a small scale industrial undertaking, to the extent of qualification shares, if so provided in the Articles of Association, shall not be counted in computing the equity held by other industrial undertaking or undertakings even if the person concerned is a Director in other industrial undertaking or undertakings;
 - (v) where an industrial undertaking is a subsidiary of, or is owned or controlled by, any other industrial undertaking or undertakings in terms of sub-clause (i), sub-clause (ii), or sub-clause (iii), and if the total investment in fixed assets in plant and machinery of the first mentioned industrial undertaking and the other industrial undertaking or undertakings clubbed together exceeds

the limit of investment specified in paragraph I or II of this Table, as the case may be, none of these industrial undertakings shall be considered to be a small scale or ancillary industrial undertaking.

Note 2 —

- (a) In calculating the value of plant and machinery for the purpose of this Notification, the original price thereof, irrespective of whether the plant and machinery are new or second hand, shall be taken into account.
- (b) In calculating the value of plant and machinery, the following shall be excluded, namely:—
 - (i) the cost of equipments such as tools, jigs, dies, moulds and spare parts for maintenance and the cost of consumable stores;
 - (ii) the cost of installation of plant and machinery;
 - (iii) the cost of Research and Development (R&D) equipment and pollution control equipment;
 - (iv) the cost of generation sets, extra transformer, etc. installed by the undertaking as per the regulations of the State Electricity Board;
 - (v) the bank charges and service charges paid to the National Small Industries Corporation or the State Small Industries Corporation;
 - (vi) the cost involved in procurement or installation of cables, wiring, bus bars,

electrical control panels (not than mounted on individual Machines), Circuit Breakers|Miniature Circuit Breakers, etc. which are necessarily to be used for providing electrical power to the plant and machinery|safety measures

- (vii) the cost of gas producer plant;
- (viii) transportation charges (excluding of taxes e.g. Sales-tax, Excise etc.) for indigenous machinery from the place of manufacturing to the site of the factory;
- (ix) charges paid for technical know-how erection of plant and machinery;
- (x) cost of such storage tanks which store raw materials finished products only and are not linked with the manufacturing process; and
- (xi) cost of fire fighting equipments.
- (c) In the case of imported machinery, the following shall be included in calculating the value, namely :—
 - (i) Import duty (excluding miscellaneous expenses as transportation from the port to the site of the factory, demurrage paid at the port).
 - (ii) the shipping charges;
 - (iii) Customs clearance charges; and
 - (iv) Sales tax.

[No. 10(5)/91-LP]

S. BEHURA, Joint Secy.